(b) if not, whether Government propose to consider this proposal in the interest of the people of that area ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURY) : (a) No, Sir

(b) There is no room on 87/88 Tata-Patna Express to haul an additional coach on a regular basis.

Relaxations for Unemployed Graduate Partnership for holding Bookstalls

2707. SHRI R.N. RAKESH :
PROF. AJIT KUMAR MEHTA :
SHRI KAMLA MISHRA MADHUKAR :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether the Government have received suggestions from many Members of Parliament about relaxations to be given to partnership of unemployed graduates for holding upto 5 bookstalls per partner as is done in the case of an individual unemployed graduate;

(b) if so, the difficulty in permitting five holdings to each partner;

(c) whether the Railway Board have adopted policy to discourage those unemployed graduates who are forming a partnership by equating a partnership firm with an individual unemployed graduate in holding bookstalls;

(d) whether a partnership of 15 partners/members of A.H. Wheeler & Co. Pvt. Ltd. are continuously holding 374 bookstalls and unlimited counter tables/trollies on every important station/platform for a century and the Railway Board has not fixed any ceiling limit; and

(e) if so, the reasons thereof ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A.B A. GHANI KHAN CHAUDHURY): (a) and (b) Yes, Sir. The matter is under examination.

(c) No, Sir.

(d) and (e) M/s. A.H. Wheeler & Co. Pvt. Ltd and two other major bookstall contractors viz. M/s. Higgin Bothams and M/s Gulab Singh & Sons have been holding bookstall contracts since long before introduction of the scheme for allotment of bookstalls to unemployed graduates and their organisations. However, further allotments of bookstalls at additional stations to them have been stopped since 1964 Even on new platforms, waiting halls, etc. constructed on or after 1.1.1976 at the stations where these contractors are holding contracts, bookstalls are being allotted to unemployed graduates, their organisations, etc., as per extant policy of the Government.

रेलवे के काम-काज से संबंधित रेलवे सुधार समिति की सिफारिश

2708. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे सुधार समिति ने रेलवे के काम काज में सुधार करने के लिए सरकार से कोई सिफारिश की है ;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है ; और

(ग) उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खां चौधरी) : (क) से (ग) रेल सुधार समिति ने अपनी रिपोर्ट कई भागों में प्रस्तुत

की है। अभी तक रिपोर्ट के निम्नलिखित 12 भाग प्राप्त हुए हैं :—

(1) वनीकरण और बदलाव, संरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संसाधन जुटाना

(2) परिवहन।

(3) रेलपथ, पुल और भूमि।

(4) रेलवे आरक्षित निधि।

(5) चल-स्टाक का उत्पादन और अनुरक्षण।

(6) किराया तथा माल भाड़ा संरचना।

(7) सुरक्षा।

(8) अनुसंधान और विकास।

(9) कर्मचारी।

(10) सिगनल और दूर संचार।

(11) अर्थ-व्यवस्था।

(12) महानगर परिवहन।

इन रिपोर्टों की प्रतियां संसद् के पुस्तकालय में रख दी गयी है।

रिपोर्ट के इन भागों में 1208 सिफारिशें/टिप्पणियां दी गयी हैं। इनमें से, 254 सिफारिशों/टिप्पणियों को स्वीकार कर लिया गया औद 18 को अस्वीकृत कर दिया गया है। शेष सिफारिशों पर रेलवे या अन्य मंत्रालयों द्वारा सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। स्वीकृत सिफारिशों के कार्यान्वयन के बारे में रेलों द्वारा सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

बिहार में मस्तिष्क शोथ और काला-आजार के मामले

2709. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के पूर्व चम्पारन, वैशाली, पूर्णिया, कटिहार, सहर्षा, नवादा, नालन्दा तथा अन्य जिलों में मस्तिष्क शोथ और कालाआजार रोग बड़े पैमाने पर फैले हुए हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या गत एक वर्ष के दौरान इन रोगों के परिणामस्वरूप कुछ लोगों की मृत्यु हुई है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी जिलावार ब्योरा क्या है ; और

(घ) इन रोगों के उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मोहसिना किदवई): (क) बिहार के कुछ जिलों में जापानी इनसिफलाइटिस और काला-आजार की घटनाओं में कुछ वृद्धि हुई है।

(ख) और (ग) राज्य स्वास्थ्य प्राधिकारियों से मिली सूचना के अनुसार जापानी इनसिफलाइटिस और काला-आजार से हुई मौतों की जिला-वार संख्या इस प्रकार है :